

2071

M.A. (Economics) Second Semester
MAECO-201: Micro Economics-II
(In all mediums)

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 80

NOTE: Attempt five questions in all, including Question No. I which is compulsory and selecting one question from each Unit.

x-x-x

- I. Explain any ten of the following:-
- a) Conditions of long run equilibrium of an industry under perfect competition.
 - b) Welfare effects of an import tariff.
 - c) Tie in sales.
 - d) Benefits of monopoly power.
 - e) Group equilibrium.
 - f) Nash equilibrium.
 - g) Cartel cheating.
 - h) Excess capacity.
 - i) Bilateral monopoly.
 - j) Trade off between work and leisure.
 - k) Derive demand for factor input when one input is variable.
 - l) What is point of bliss?
 - m) Coase theorem.
 - n) Rawl's concept of justice/equality.
 - o) Compensation criterion.
- (10×2)

UNIT - I

- II. Explain the concept of economic efficiency using the concepts of consumer surplus and producer surplus. Show how does a perfectly competitive market achieves economic efficiency? (15)
- III. What is intertemporal price discrimination? In this context, discuss the peak-load pricing theory. (15)

UNIT - II

- IV. Discuss the equilibrium of firm and group under monopolistic competition with selling cost. (15)
- V. Explain prisoners' Dilemma and its implications in the context of oligopoly. (15)

UNIT - III

- VI. Derive demand curve for factor input when several inputs are variable. (15)
- VII. How wage rate is determined when there is monopolistic power in product market and monopolistic power in factor market. (15)

UNIT - IV

- VIII. What is Pareto Optimality? Explain the conditions that must be fulfilled under production, consumption and exchange. (15)
- IX. Critically examine Bergson-Samulson criterion for social welfare maximization. (15)

x-x-x

(Hindi and Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

(2)

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रश्न-1 अनिवार्य है।

-*_*_*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों की व्याख्या कीजिए:—
 - (क) पूर्ण प्रतियोगिता के तहत एक उद्योग के दीर्घकालीन संतुलन की शर्तें।
 - (ख) आयात शुल्क के कल्याणकारी प्रभाव।
 - (ग) बिक्री में टाई।
 - (घ) एकाधिकार शक्ति के लाभ।
 - (ड.) समूह संतुलन।
 - (च) नॉश संतुलन।
 - (छ) कार्टेल धोखाधड़ी।
 - (ज) अतिरिक्त क्षमता।
 - (झ) द्विपक्षीय एकाधिकार।
 - (ज) काम और अवकाश के मध्य सामंजस्य
 - (ट) जब एक इनपुट परिवर्तनशील हो तो कारक इनपुट की मांग का अनुमान
 - (ठ) आनंद का बिंदु क्या है?
 - (ड) कोज़ ग्रमेय।
 - (ढ) गॉल की न्याय/समानता की अवधारणा।
 - (ण) मुआवजा मानदंड।

भाग-1

2. उपभोक्ता अधिशेष और उत्पादक अधिशेष की अवधारणाओं का उपयोग करते हुए आर्थिक दक्षता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। एक पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार आर्थिक दक्षता कैसे प्राप्त करता है? स्पष्ट कीजिए।
3. अन्तरराशाखास्थि/इंटरटेम्पोरल मूल्य भेदभाव क्या है? इस संदर्भ में, उच्च मूल्य कीमत सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

भाग-2

4. बिक्री लागत के साथ एकाधिकार प्रतियोगिता के तहत फर्म और समूह के संतुलन की चर्चा कीजिए।
5. अत्याधिकार के संदर्भ में बन्दी दुविधा सिद्धान्त और उसके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।

भाग-3

6. जब अनेक आगत परिवर्तनशील हों तो कारक आगत के लिए माँग वक्र व्युत्पन्न कीजिए।
7. उत्पाद बाजार में एकाधिकार शक्ति और कारक बाजार में एकाधिकार शक्ति होने पर मजदूरी दर कैसे निर्धारित की जाती है?

भाग-4

8. परेटो इष्टतमता क्या है? उन शर्तों की व्याख्या करें जिन्हें उत्पादन, उपभोग और विनियय के तहत पूरा किया जाना चाहिए।
9. सामाजिक कल्याण अधिकतमकरण के लिए बर्गसन-सैमुलसन मानदंड का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

-*_*_*

(3)

नोट: पृष्ठन नंबर 1 लाज्जारी है अते हरेक भाग (1-4) विंचे इंक-इंक पृष्ठन दी छौल करदे होटे, सारिआं विंचे बूल पंज पृष्ठन करो।

-*_*_*

1. हेठों लिखे पृष्ठनां विंचे कोई दूस पृष्ठनां दे उंतर लिखे:—
 - (उ) संपूरन भुवाबले दे अयीन इंक उटपेग दे लंबे समें दे संतुलन दीआं स्तरतां।
 - (अ) आजात टैरिद दे भलाई पूछाव।
 - (ट) विकरी विच टाई।
 - (स) एवाअधिकार स्वती दे लाभ।
 - (ह) समूह संतुलन।
 - (क) नॉस संतुलन।
 - (ध) बारटल येखायडी।
 - (ग) व्येरी धिमता
 - (घ) दे पैधी एवाअधिकार
 - (ड) कंम अते मनेर्जन दे विचकार तालमेल
 - (च) जदें इक इन्प्रेट परिवर्तनस्तील हुंदी है तां कारब इन्प्रेट दी मंग दा अनुमान
 - (छ) अनंद दा बी अरब है?
 - (ज) कैज़ मियांउं
 - (झ) रावल दी निअं/समानता दी यारटा।
 - (झ) मुआवजा मापदंड।

भाग-1

2. उपडेगता अधिसौम अते उत्पादक सरपलेंस दीआं मारनावां दी वरतें करदिआं आरविक बुमलता दी यारना नुं सपस्ट करो। किवें इंक पूरी तरुं पूरीयेरी बाज्जार आरविक बुमलता नुं पूपत करदा है? सपस्ट करो।
3. अंतर-रास्टरी बीमतां दा वित्तकरा बी है? इस पूमंग विंच, पीब-लेड बीमत मियांउं ते विचार करो।

भाग-2

4. विकाउ, खरचे नाल एवायिकार दे भुवाबले अयीन फरम अते समूह दे संतुलन दी विआधिआ करो।
5. अलपायिकार दे संदरभ विच कैदी दुष्प्रिया मियांउं दे पूछाव दी विआधिआ करो।

भाग-3

6. जदें कर्दी इनपुटस परिवर्तनस्तील हुंदे हन तां कारब इन्प्रेट लही मंग दा अनुमान देंसै।
7. जदें उत्पाद बाज्जार विच एवायिकारव स्वती अते कारब मारबीट विच एवायिकारव स्वती हुंदी है। तदें तनधार दी दर किवें निरयारत बीती जांदी है

भाग-4

8. परेटो अनुबूलता बी है? उन शर्तों जो उत्पादन, खपत अते आदान-पूदान दे तहित पूरीआं होटी चाहीदीआं हन।
9. समाजिक भलाई वैय तें वैय करन लही बरगसन-सैमुलसन मापदंड दी अलेचनात्मक तेर ते जांच करो।

-*_*_*